

[Shri R. V. Swaminathan]

4 kms. into the villages situated in the coastal stretch, for 50 miles of Tiruvandanai Taluk, all fishermen's families living in these areas have been hard hit. The worst affected areas are Sundara-pandiapatnam, Tiruppalakudy, Thondi, Nambuthalai, Puthupatturam, etc. in Tiruvadanai Taluk. There is acute scarcity for drinking water. Sea water has stagnated everywhere, which poses a big problem. Sea water has entered into the paddy fields which has made it uncultivable. Many telephone and electric posts have been uprooted. Repairs to the roads is estimated to be Rs. 25 lakhs, Casualties and loss would have been very heavy but for the advance and timely steps taken by the local and district officials to evacuate the villagers from the low lying areas to protect them. However, 50 villages were submerged by tidal waves. It is quite surprising and painful to note that even with such severe cyclonic storm, the rainfall in these areas was not sufficient enough to cater to the needs of the villagers. The agriculturists feel much hardship to carry on their operations without water facilities. It is a pity that relief measures against drought as well as cyclone damage are to be taken simultaneously in the Ramnathapuram district. The Central Government should take immediate relief measures in these areas to rescue the people from the calamities.

(ii) REPORTED SCARCITY OF CEMENT AND OTHER BUILDING MATERIALS IN ASSAM.

श्री एच० एल० पटवारी (मंगलदाई) : ग्राम में घर बनाने की सामग्री जैसे—सी आई शीट्स . . . . .

MR. CHAIRMAN: You have to read the statement. You have just to follow strictly what you have given to the Speaker. I think you have given it in English.

SHRI H. L. PATWARY: I don't have the copy in English. This may be taken as its translation in Hindi.

MR. CHAIRMAN: No. This is not the way. You must be serious in the House.

SHRI H. L. PATWARY: Yes, Sir. Under rule 377, I wish to raise the following matter:

"There is an acute scarcity of cement, C.I. sheets and iron rods. Hence the entire development and construction work of houses for tea garden labourers and others have been affected. As such, a serious situation is prevailing. Moreover, the general economic situation is affected, due to shortage of salt. Bihar has got more rail wagons than its quota; but Assam has not received the same, in spite of the registration fee deposited. As such, the whole economic situation has been affected. In addition, law and order problems may arise. Hence I draw the attention of the concerned Ministers to this."

(iii) ATROCITIES ON TRIBALS OF SINGHRHOOM, RANCHI, DUMKA, ETC. DISTRICTS OF CHHOTA NAGPUR.

श्री ए० के० राय (घनबाद) : मैं नियम 377 के अधीन निम्न विषय की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ :

बिहार के छोटा नागपुर इलाके में सिंहभूम जिले में आदिवासियों पर लगातार गोलीकांड तथा भ्रत्याचार के फलस्वरूप आदिवासियों की हत्या ।

■ बिहार के छोटा नागपुर इलाके में सिंहभूम, रांची, दमका आदि जिलों में आदिवासियों पर बहुत दिनों से सरकार, महाजन, पूंजीपतियों तथा विभिन्न प्रकार के बाहरी लुटेरों के द्वारा भ्रत्याचार होता रहा है। फिलहाल जब आदिवासियों के अन्दर जागृति पैदा हुई तथा उन लोगों ने संगठित होकर अपने संरक्षण के लिये झारखंड प्रान्त तथा अपने अधिकार की आवाज उठाई तब सरकार के प्रशासन तथा वन विभाग द्वारा भ्रत्याचार ने और जोर पकड़ा जिस के फलस्वरूप सिंहभूम जिले में पिछले एक महीने के अन्दर दो गोली कांड हुए तथा फिलहाल रांची जिले के खूटी में आदिवासियों पर गोली चलाई गई। इस गोली कांड के चलते सिंहभूम में चार आदिवासियों तथा खूटी में एक आदिवासी की मृत्यु हुई।

आदिवासी लोग झाड़ में रहते हैं, मछली जैसे पानी बिना जिन्दा नहीं रह सकती है वैसे ही आदिवासी लोगों के लिये जंगल उन के रोजी रोटी आवास का साधन है और छोटा नागपुर के जंगल में साल, मदुआ आदि जंगल जो प्रकृति की स्वाभाविक देन है वह सरकार के लिए वन सम्पदा का स्रोत तथा आदिवासियों के लिये रोजी रोटी का भी साधन है। विशेष रूप से साल के गांठ से, पत्ता से, फूल से, फूल से इन लोगों की रोजी रोटी तथा उन का धर्म भी जुड़ा हुआ है। फिल-

हाल बिहार सरकार ने भ्रादिवासियों को बर्बाद करने के लिये ठेकेदारों द्वारा बेरहमी से साल के जंगल काट कर वहां पर सागवान के पेड़ लगाने की योजना बनाई है जिस का कोई उपयोग भ्रादिवासियों को नहीं है। इतना ही नहीं बरत सी रेयती जमीन में भी वे लोग जबदेस्ती सागवान का घास लगा रहे हैं जिसके चलते खेती बाड़ी बन्द होने की स्थिति म आ गई है। कहना ज्यादा हांगा कि तमाम वन विभाग की नियुक्तियों में भ्रादिवासियों को कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती है, न वन विभाग के संचालन में भ्रादिवासियों का कोई हिस्सा है। इस रूप ने छोटा नागपुर में भ्रादिवासियों के लिए एक भ्रमहनीय परिस्थिति पैदा की हुई है जिसमें भ्रादिवासियों को न नोकरी मिलती है न खेती चला सकते हैं, न साल के जंगल से जो रोटी रोजी चलती थी वह भी साल काट करके सागवान लगाने के नाते बन्द होने पर है। वह इस प्रकार से भी कि तमाम भ्रादिवासियों को छोटा नागपुर से बर्बाद होकर भाग जाना पड़ेगा।

15 hrs.

इस परिस्थिति को ले कर दिनांक 7 नवम्बर, 1978 को कुछ भ्रादिवासी लोग स्त्री एवं पुरुष भ्रादि मिल कर अपनी रैयती जमीन पर ग्राम इंचाहातु, थाना गुलकेरा, जिला सिंहभूमि में बैठकर करीब अपराह्न 3 बजे विचारविमर्श कर रहे थे। इसी समय में भ्रक्समात पुलिस पहुंच गई। बिहार, बी० एम० पी० तथा स्थानीय पुलिस अधिकाइयों के साथ गोयलकरा ब्लॉक का बी० डी० श्री० वहां पर पहुंचे तथा वीर कोई सावधानी देखे गोली चलाने का आदेश दे दिया जिस के चलते तुरन्त यहां एक व्यक्ति, श्री महेश्वर जमुदा की तकाल वहां मृत्यु हो गई और तीन व्यक्ति बुरी तरह घायल हुए। दूसरी घटना गांव मरेंदा प्रखंड गोलकरा, थाना गोलकरा, जिला सिंहभूमि में दिनांक 25 नवम्बर, 1978 को करीब डेढ़ बजे हाट स्थान पर हुई। हाट में जब स्थानीय एम० पी० श्री वागुन सोमराय जी का प्रचार हो रहा था उसी समय भ्रचानक बी० एम० पी० के माथ मर्किल आफिसर वहां पर पहुंच गये एवं भ्रधांध धाटियां में गोली चलवायी। जिस से घटनास्थल में तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा करीब 12 व्यक्ति बुरी तरह से घायल हुए। इसके बाद भी विभिन्न वाहनों से वहां भ्रत्याचार चल ही रहा है। इस के बाद फिनहाल रांची जिला के खूटी में भी गोली चली। जिस में एक भ्रादिवासी मारा गया। मूल बात जागृति के बाद भ्रादिवासी जब अपना हक मांग रहा है तो चारों तरफ से उस को हतोबल तथा छंस करने का फेर में लगा हुआ है। इस प्रकार भ्रादिवासियों पर भ्रत्याचार बड़े बड़े डैम तथा कारखाना भ्रादि के जरिए भी हो रहा है जैसे कोयलाकारों या स्वर्णरेखा योजना, जहां हजारों एकड़ भ्रादिवासियों की जमीन डूबेगी वहां एक भी भ्रादिवासी को नियुक्ति नहीं मिली एवं पुनर्वास की भी कोई व्यवस्था नहीं है। वहां पर जब कुछ दिन पहले छोटा नागपुर का भ्रादिवासी तथा मूलवासी लोगों ने भ्रावाज उठायी तो उसे भी कान्डील में सिंहभूमि में गोली चला कर दबाया गया। कल भी भ्रखबार में दुमका जिला में दो भ्रादिवासियों को पुलिस द्वारा गोली मार कर मारने की खबरें आई हैं।

एवं भ्रादिवासियों के दो जाने माने नेता सर्वश्री एन० ई० होरो एवं शिबु सोटेन को एक महीने से ज्यादा हो रहा० है जेल में बन्द कर रखा गया है।

इस प्रकार हर क्षेत्र में बिहार सरकार भ्रादिवासियों के साथ एक भ्रलिखित लड़ाई में उतर चुकी है जिसका परिणाम बिहार तथा भ्रादिवासियों के लिये कल्याणकारी नहीं होगा। इसलिए केन्द्रीय सरकार को भ्रबिलम्ब इन तमाम चीजों के बारे में हस्तक्षेप करना चाहिये वहां के लोगों की यह मांग है कि तमाम सिलसिलेवाज डंग से गोलीकांड की संसद् द्वारा जांच हो, दोषी भ्रफसरों को सजा मिले। मृत भ्रादिवासियों के परिवारों को मुभ्रावजा दिया जाय। सागुवान के स्थान पर साल का, महुआ का वन लगाया जाय। रेयती जमीन की वन विभाग से भ्रलग किया जाय एवं बिहार का वन विभाग तथा सिचाई विभाग के तमाम कामों में तथा नियुक्तियों में छोटा नागपुर भ्रादिवासियों तथा मूलवासियों को प्राथमिकता दी जाये। सरकार यदि तमाम चीजों पर तुरन्त कार्यावाही न करे तो बहुत बड़े पैमाने पर वहां एक विस्फोट हो सकता है, जिस को जिम्मेदार सरकार होगी।

(iv) AIR FORCE STATION, JAMNAGAR.

श्री भागीरथ बंधर (भाबुभ्रा) : माननीय सभापति जी, मैं आप की अनुमति से नियम 377 के भ्रन्तर्गत निम्नलिखित लोक महत्व के प्रश्न का उल्लेख करता हूं।

“समाचार-पत्रों मे विज्ञप्ति प्रकाशित हुई है कि जामनगर (गुजरात) नगरपालिका ने वायु सेना केन्द्र से लगे क्षेत्र को भ्राबादी में बदले जाने की कार्यवाही प्रारम्भ करदी है। इस क्षेत्र में रहने वाले लोग सन् 1965 के हिन्दू पाक युद्ध में भी समस्या बन गये थे और इसी कारण वहां बसे लोगों को हटाया गया था। भ्रब पुनः उस क्षेत्र को भ्राबादी में परिवर्तन करने से वायु सेना केन्द्र तथा देश की सीमा की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की सम्भावना है। भ्रतः देश तथा जनहित के इस महत्वपूर्ण विषय की भ्रर माननीय रक्षा मंत्री जी का ध्यान भ्राकषिपित कर निवेदन करता हूं कि नगरपालिका, जामनगर तथा गुजरात सरकार को ऐसी कार्यवाही नहीं करने के निर्देश दें।”

(v) DEMANDS OF RESEARCH SCHOLARS OF ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, NEW DELHI.

श्री उषसेन (देवरिया) : सभापति महोदय, मैं नियम, 377 के भ्रन्तर्गत इस बात की सूचना देता हूं कि भ्राल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज नई दिल्ली के भ्रधिकारी ने एस० वाई० एस० सोसाइटी